शवविच्छेदन प्रायोगिक शिक्षण

दिनांक **31 जुलाई 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज के सत्र 2022-23 के बीएएमएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को रचना शरीर विभाग के द्वारा अध्ययन अध्यापन में सम्मलित शवविच्छेदन प्रायोगिक शिक्षण का प्रारम्भ करते हुए विद्यार्थियों को कैडावरीक ओथ (शव की शपथ) दिलाया गया। जिसमें रचना शरीर विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मिनी के वी ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद में शुश्रुत द्वारा प्रतिपादित शवविच्छेदन कर्म एवं महत्व को बताते हुए विद्यार्थियों को शव की शपथ दिलाया। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मन्जूनाथ एन एस ने विद्यार्थियों के मनोबल बढ़ाते हुए देहदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा. जशोबन्त डनसना ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज के नागरिक अपना किसी भी चिकित्सकीय संस्था को अपना देहदान करते है तो उनकी विशेष भावनायें जुड़ी रहती है कि उनके शरीर का चिकित्सकीय कार्य सिखनें के लिए सम्मान पूर्वक प्रयोग किया जाये। उनके भावनाओं को सम्मान करते हुये हम शिक्षकों और विद्यार्थियों को शरीर पर चिकित्सकीय कार्य सिखने के लिए गुरू के तरह आदर देना चाहिए। आचार्य सुश्रुत ने अपने सुश्रुत संहिता में विशेष रूप से उल्लेख किया है। आभार ज्ञापन बीएएमएस की छात्रा शीतल त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य मन्जूनाथ एन एस समेत विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

CADAVERIC OATH
TAKING
CEREMONY
DEPARTMENT-RACHANA SHARIR
BATCH -2022-23 DATE -

CADAVERIC OATH
TAKING
CEREMONY
DEPARTMENT-RACHANA SHARIR
BATCH-2022-23 DATE-31/07/2023